Syllabus for TGT (Hindi)

HINDI SYLLABUS

(क) कबीर : पद संखा
१. रहना नहिं देस बिराना है
२. माया महा ठगिनी हम जानी
३. साधो देखा जग बौराना
४. ढोको पबि मिलेंगें

(ख) जायसी छ नागमती बियोग वर्ण्णन
नागमाती चितउर पथं हेरा..... नव कै आनि-बसाउ।।

(ग) सुरदास - १. (बिनय) २. (भ्रमरगीत)
२. प्रभु हौं सब पतितनि को टीकौं
३. मेरो मन अतन कहॅ सुख पाबै
पदसंखा ४. उघौ मन मान की बात
५. उघौ मन नाहिं दस बीस

(घ) तुलसी दास : भरत महिमा

(ङ) बिहारी : भक्ति, त्रश्तु बर्णन, नीति
दृम पाठ-रसरबान, रहिम, केशब (०५ अंक बाले दो लभुतरी प्रश्न पृच्छे जायेंगे)

पाठ्य बिषय :

१. जयशंकर प्रसाद - आंसु (छन्द १ से २० तक)
२. निराला - तोड़ती पत्थर, संध्या सुन्दरी, तुम और से अकेला
३. महादेबी - गीत १ से ५ तक

दृत पाठ : सुभद्रा कुमारी चौहान, बालकृष्ण शर्मा नबीन, राम कुमार वर्मा, (५ अको वाले दो लघुन्तरी प्रश्न पुच्छे जाएॅगे)

१. हिन्दी काव्य संग्रह : सं. रामबीर सिंह, हेमा उप्रेनी, मीरा, सरीन केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आग्रा।

(क) रामधारी सिंह दिनकर-अभिनब मनुष्य, जनतन्त्र कां जन्म (२६ जनवरी, १९५०)

(ख) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेय - नदी के द्वीप, हिरोशिमा, [illegible]

(ग) भवानी प्रसाद मिश्र - गीत फरोश, अभिव्यक्ति, होना तो उनका है

(घ) घुमिल - मोचीराम

(ङ) नागार्जुन - प्रेत का बयान, बहुत दिनो के बाद्द

दृतपाठ - केदारनाथ अग्रवाल, शबशेर सिंह, गिरिजा कुमार माथुर

पाठ्य बिषय :

१. कर्मभूमि - प्रेमचन्द

२. चित्रलेखा - भगवती चरण वर्मा

३. कथान्तर : सं. परमानन्द श्रीबास्तब, राजकमल प्र., नई दिल्ली

पाठ्य बिषय :

१. कफन - प्रेमचन्द

२. आकाशदीप - जयशंकर प्रसाद

३. लालपान की बेगम - रेणु

४. वापसी - उषा प्रियंबदा

दृत पाठ : 'निराला', बिष्णु प्रभाकर (केवल ०५ अंको बाले ०२ लघुत्तरी प्रश्न)

पाठ्य बिषय :

१. एक तोले उफीम की कीमत - राज कुमार वर्मा

२. बसन्त ऋतुका जारक - लक्ष्मीमाराण लाल

३. लायरी - भुवनेश्बर

४. माँ - बिष्णु प्रभाकर

दृत पाठ : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, धर्मबीर भारती (०५ अंको बाले ०२ लघुत्तरी प्रश्न)

पाठ्य बिषय :

१. श्रद्धा भक्ति - रामचन्द्र शुक्ल

२. अशोक के फुल - हजारे प्रसाद द्विबेदी

३. पहिला सफेद बाद - हरिशंकर परसाई

पाठ्य बिषय :

१. रजिया - सामबृन्दा बेनिपुरी

२. अष्टबक्र - बिष्णु प्रभाकर

दृत पाठ : सादार एण सिंह, ड़ा. नगेन्द्र (०५ अंको बाले ०२ ..... प्रश्न)

पाठ्य बिषय :

(क) हिन्दी भाषा का स्बरूप और बिकास हिन्दी की उत्पति, हिन्दी के बिभिन्न रूप- बोलचाल की भाषा, रचनात्मक भाषा, राष्ट्र भाषा राजभाषा, सम्पर्क भाषा, संचार भाषा

(ख) १. काल बिभाजन, नामकरण

२. सामाजिक, राजनैतिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

३. गद्दा बिधाओ का बिकाश (केवल उपन्यास, जारक)

पाठ्य बिषय :

(क) भारतीय साहित्य सिन्धान्त :

काब्य लक्षण, काब्य प्रयोजन, शब्द शक्ति, काब्य गुण और दोष, रीति सिधान्त, रस सिधान्त।

अलंकार : अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोति, उपमा, रूपक, उत्पेक्षा, भ्रान्तिमान, सन्दर्भ अन्याति

छन्द : मणिंक-चौपई, रोला, दोहा, क्रण्डलिया, छप्पय।

(ख) प्लेटो, बर्डसवर्थ, अई ए. चिडस

प्रभुत्व सिन्धान्त और वाद :

स्वच्छदता वाद, मनोबिश्लपण वाद, विम्ब, प्रतीक और मिथक

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विबेदी, डा. राम बिलास शर्मा

दृत पाठ - धीरेन्द वर्मा, डा. जाभवर सिंह (०५ अंको बाले ०२ लघुत्तरी प्रश्न)

VI. माध्यम तत्व और व्याकरण

- शब्द विचार : उपसर्ग–प्रत्यय
- शब्द भेद
- लिंग, वचन कारक, काल
- शब्द रूपांतर
- शब्द – अर्थ, भिन्न–भिन्न अर्थ, पर्यायवाची शब्द और विलोम शब्द
- शब्द परिचय : तत्सम, तद्भव, देशज और विदेशी
- वाक्य संरचना, भेद
- वाच्य
- संधि–समास
- मुहावरे – लोकोक्तियाँ, कहावतें
- वर्तनी
- विशिष्ट प्रयोग (जैसे चाहिए, अपना .....)
- व्याकरण : परिभाषाएँ

TEACHING METHODOLOGY

I.

- भाषा – अर्थ, परिभाषा, महत्व, प्रकृति और स्वरूप
- हिंदी भाषा – प्रथम भाषा के रूप में
  द्वितीय भाषा के रूप में
  सरकारी भाषा के रूप में
  त्रिभाषा सूत्र

II.

- प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर पर हिंदी–भाषा शिक्षण के उद्देश्य
- अच्छे शिक्षण की विशेषताएँ
- भाषा–शिक्षण के सामान्य सिद्धांत
- शिक्षण – सूत्र

- शिक्षण – उपागमें
- शिक्षण – पद्धतियाँ
- आदर्श हिंदी शिक्षक

III.

- शिक्षण में भाषा कौशलों का महत्व

सुनना : ध्वनि की उत्पत्ति, ध्वनि श्रवण और पारस्परिक संबंध
बोलना : शब्दोच्चारण, वाग्यंत्र, शुद्धोच्चारण का अभ्यास, मौखिक अभिव्यक्ति, पाठशाला में वार्तालाप का अभ्यास
पढ़ना : वाचन की विशेषताएँ, प्रकार, दोष और उपचार
लिखना : महत्व, नियम, विधियाँ, प्रकार, अक्षर – विन्यास

IV.

- शिक्षण – उद्देश्यों का वर्गीकरण
- पाठ योजना
  - गद्य पाठ
  - पद्य पाठ
  - व्याकरण पाठ
  - पत्र–लेखन पाठ
  - रचना पाठ
- इकाई योजना
- सूक्ष्म शिक्षण पाठ योजना
- शिक्षण उपकरण

V.

- पाठ्य–पुस्तक
- पुस्तकालय
- पाठ्यक्रम
- पाठ–सहगामी क्रियाएँ
- भाषा – प्रयोगशाला
- संगणक (महत्व, हिंदी भाषा–शिक्षण में इसकी उपयोगिता)

VI.

- मूल्यांकन की धारणा
- निरंतर समग्र मूल्यांकन
- उद्देश्य आधारित मूल्यांकन
- उत्तम परीक्षा की विशेषताएँ
- उपलब्धि परीक्षा, प्रश्न पत्र निर्माण
- निदानात्मक एवं उपचारात्मक शिक्षण